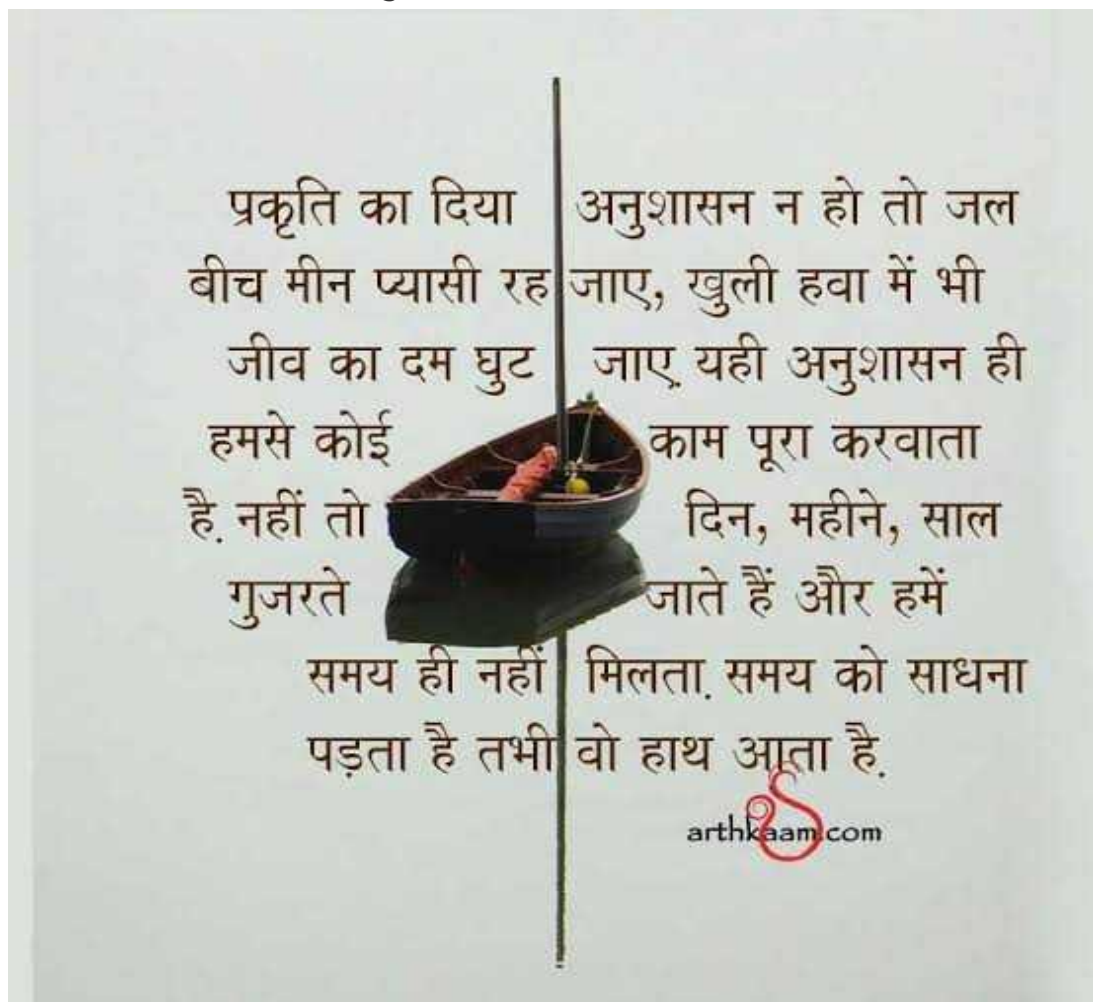


अनुशासन का महत्व बताएं?

जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। यदि हम अनुशासित नहीं होंगे तो कभी भी सफलता नहीं पा सकते हैं। जीवन में यदि हम अनुशासित नहीं होंगे तो कभी भी हमे सही कार्य करने की दिशा नहीं मिल सकती। एक अनुशासित व्यक्ति ही समय के महत्व को समझकर उसका सदुपयोग कर सकता है।

अनुशासन स्वयं से भी हो सकता है एवं यह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भी हमे सिखाया जा सकता है। दोनों ही हमे अलग तरह से सिखाते हैं पर दोनों ही बहुत ज़रूरी है। बचपन में हमारे माता पिता हमे सिखाते हैं कि किस तरह और कब हमे कौनसा कार्य करना है, हमे कब सोना है, कब भोजन ग्रहण करना है, कब पढ़ना है आदि। पर जैसे जैसे हम बड़े होते हैं हम अपनी जिम्मेदारी को स्वयं समझते हैं। आपके माता पिता आपको पूरा जीवन नहीं बताएंगे कि आपको विद्यालय कब जाना है या आपके सोने और जागने का क्या समय होना चाहिए। इसके लिए आपको स्वयं अनुशासित होने की आवश्यकता होती है।



जीवन में अनुशासन हमें सिखाता है कि हमें कब कौनसा कार्य करना चाहिए जिससे उसका सबसे बेहतरीन परिणाम हमें मिल सके। एक व्यक्ति चाहे वह विद्यार्थी हो या कामकाजी व्यक्ति उसे अपने कार्य के लिए समय से पहुंचना अनिवार्य होता है। विद्यार्थी यदि समय से पढ़ाई नहीं करेगा तो उसे बहुत नुकसान हो सकता है और एक कामकाजी व्यक्ति यदि समय से अपना कार्य पूरा नहीं करेगा तो उसकी नौकरी भी छीनी जा सकती है। इसलिये अनुशासन में रहे और जीवन में हर सफलता आपके कदम चूमेगी।

अगर हम नियमित रूप से नियमों का पालन करते हैं तो इससे हमारा मस्तिष्क व शरीर दोनों नियंत्रित रहते हैं। अनुशासन के साथ हम जो भी काम करते हैं उसमें सफलता अवश्य प्राप्त होती है। शास्त्रों के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण है " *आत्मानुशासन*" यानी *स्वयं के द्वारा स्वयं के लिए स्वयं पर अनुशासन*। व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासित होना अत्यंत आवश्यक है।